

नारी जरूरत पड़ने पर शवित रूप भी धारण कर सकती हैं: एसपी



जालोर, समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती बालिकाएं।

**कार्यक्रम का शुभारंभ
अतिथियों द्वारा मां
सरस्वती की तस्वीर के
समक्ष दीप प्रज्ज्वलित
कर किया**

भास्कर न्यूज | जालोर

एजुकेट गलर्स का आठवां स्थापना दिवस समारोह बुधवार को शंकर वाटिका में समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल, सीईओ जवाहर चौधरी व एसपी श्वेता धनकड़ अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों की ओर से मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी श्वेता धनकड़ ने नारी को नारायणी का दर्जा देते हुए कहा कि नारी को प्राचीन काल से ही सम्मान की नजर से देखा जाता रहा है। लक्ष्मी, सरस्वती व दुर्गा तीनों नारी के ही रूप हैं। इस अवसर पर डीईओ माध्यमिक

जयनारायण द्विवेदी, डीईओ प्रारंभिक सैव्यद अली सैव्यद सहित संस्था से जुड़े पदाधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दी आकर्षक प्रस्तुतियां

समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्राओं की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोल-एन, उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयरस्पर्शी कहानियां पेश की। छात्राओं ने वृत्त्य के माध्यम से संस्था की थीम 'उडान' का भी मनमोहक प्रस्तुतीकरण दिया गया।

संस्था के बारे में दी

जानकारी

एजुकेट गलर्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुबमण्यन ने कहा कि संस्था आज जिस मुकाम पर है, उसमें टीम के सभी सदस्यों के 8 सालों के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

“उड़ान” के जरिए बताई अपनी अभी तक की उड़ान

जालोर। एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने बुधवार को अपने ४वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए ‘शंकर वाटिका’ में एक विशाल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड़ ने शिरकत की।

एजुकेट गल्स ने टीम बालिकाओं के साथ अपने स्थापना दिवस की ८वीं वर्षगांठ मनाई



जालोर, राजस्थान। एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने ८वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बने सिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री जवाहर चौधरी व श्रेता धनकड़ ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में ७५ टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को धी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल ९ लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के कमंचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनप्रक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गल्स वर्तमान समय में राजस्थान के ७ जिलों के ४६ गाँवों में फैले लगभग ८५ स्कूलों में कार्यरत है। ८ वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने १११ से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक २८११ से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

एजुकेट गल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्थापना दिवस की ४वीं वर्षगांठ मनाई

जालोर, राजस्थान। एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने ४वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बत्रे सिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री जबाहर चौधरी व श्रेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में ७५० टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल ९०० लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनप्रक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गल्स वर्तमान समय में राजस्थान के ७ जिलों के ४६०० गाँवों में फैले लगभग ८००० स्कूलों में कार्यरत है। ८ वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने १,००,००० से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक २८,००,००० से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गल्स १०,००,००० से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की ४वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कॉल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया। सुरेश सुब्रमण्यन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, "८ वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

एज्यूकेट गल्स वार्षिक महोत्सव आज

नवज्योति/ जालोर। एजुकेट गल्स के आठवें स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक महोत्सव आज 9 नवंबर को प्रातः 11.30 बजे शंकर वाटिका में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोल प्ले एवं हृदय स्पर्शी कहानियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। एजुकेट गल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुब्रमण्यम की उपस्थित में 370 बालिका टीम द्वारा अपने हुनर को प्रदर्शन किया जाएगा।

एजुकेट गल्स ने मनाई स्थापना की 8वीं वर्षगांठ

नवज्योति/जालोर।

एजुकेट गल्स ने बुधवार को अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया।



समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभुख डॉ. बत्रेसिंह गेहिल एवं विधिविटि अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व खेता धनकड़ ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक

कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, गोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 9 सौ लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनप्रकृत तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गल्स वर्तमान समय में रोजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8 हजार स्कूलों में कार्यरत हैं। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1 लाख से अधिक बालिकाओं

का नामांकन किया। एजुकेट गल्स के काव्यों से अब तक 28 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गल्स 10 लाख से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है। यह उपलब्धिय इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की ओराजा में पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गल्स ने इस वर्ष के ग्रामीण में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड स्कॉल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

एजुकेट गल्स ने वर्षगांठ मनाई

■ राजस्थान खोज खबर

जालोर। एजुकेट गल्स ने बुधवार को ४ वें स्थापना दिवस की वर्षगाठ का समारोह का आयोजन एक निजी बाटिका में किया। समारोह में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख बन्नेसिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप जालोर पुलिस अधीक्षक श्वेता धनखड़ व जवाहर चौधरी थे। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी इस समारोह में ७५ बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों को पेश किया जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल प्ले, एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानिया शामिल थी। एजुकेट गल्स वर्तमान समय में राजस्थान के सात जिलों के ४६०० गांवों में फेलें लगभग ८०००



एजुकेट गल्स के वर्षगांठ कार्यक्रम में उपस्थित एजुकेट गल्स

स्कूलों में कार्यरत है इस अवसर पर एजुकेट गल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यन ने इस अवसर पर लोगों का संबोधित करते हुए कहा कि ४ वर्ष एक लम्बा समय हाता है। जिससे एजुकेट आज इस मुकाम पर खड़ा है। इसमें कठिन

परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। एजुकेट गल्स के सामुदायिक स्वयं सेवकों को टीम बालिका के नाम से पुकारा जाता है। टीम बालिका अपने संबोधित गांवों में स्कूल सुधार के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्यरत है।

बेटियां अपनी प्रतिभा से रोशन करेनाम-गोहिल



जालोर में एजुकेट गल्स के कार्यक्रम में मौजूद बालिकाएं व अन्य।

पत्रिका

■ एजुकेट गल्स का आठवां स्थापना दिवस मनाया

जालोर @ पत्रिका

patrika.com

बेटियां पढ़ लिखकर सफलता के नए सोपान स्थापित करे। वे अपनी प्रतिभा के बल पर जिले के नाम रोशन करे। बालिकाओं में प्रतिभा के निखार को लेकर व उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एजुकेट गल्स की ओर से किया जा रहा कार्य सराहनीय है। यह बात जिला प्रमुख डॉ. वत्तेसिंह गोहिल ने एजुकेट गल्स की ओर से टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ उनके स्थापना दिवस की 8 वीं वर्षगांठ पर बतौर मुख्य अतिथि कही। एजुकेट गल्स की ओर से शहर के रत्नपुरा मार्ग स्थित एक बाटिका में आठवां स्थापना दिवस मनाया गया। विशिष्ट अतिथि

पुलिस अधीक्षक श्वेता धनखड़ ने कार्यक्रम में जिले से भर से आई बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए मेहनत व लगन से पढ़ाई करने की नसीहत दी। विशिष्ट अतिथि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चौधरी ने एजुकेट गल्स संस्था की ओर से बालिका शिक्षा के क्षेत्रमें किए जा रहे प्रयासों को बेहतर प्रयास बताया। समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी।

जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, गोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानियां पेश की गईं। इस पूरे कार्यक्रम स्थल को इस वर्ष की थीम उड़ान को ध्यान में रख कर डिजाइन किया गया था।

एजुकेट गल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रह्मणीयम ने कहा कि एजुकेट गल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। एजुकेट गल्स का प्रबंधन एवं आउटरीच कार्यालय मुंबई में है। यह राजस्थान के पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूटी और भीलवाड़ा जिले में कार्य कर रही है। इस मौके जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) जयनारायण द्विवेदी, जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) सैव्यद अली सैव्यद, सर्व शिक्षा अभियान के एडीपीसी सुरेशकुमार, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के, एडीपीसी प्रकाशचंद्र चौधरी, जिला साक्षरता व सतत शिक्षा अधिकारी यशदत्त रुणेचा, एजुकेट गल्स के जिला प्रबंधक शिवराज गुजर व शबनम शेष्टी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

'एजुकेट गल्स ने दी बालिकाओं को नई उड़ान'

जालोर, (कासं)। एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन) ने बुधवार को अपने 8 वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ के लिए 'शंकर वाटिका' जालोर में एक विशाल समारोह का आयोजन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्नेसिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व श्रेता धनकड़ ने शिरकत की। इस मौके वा एसपी श्रेता धनखड़ न कहा कि एजुकेट गल्स से बालिकाओं को नई उड़ान दी हैं। जालोर की पुष्पा सागर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि एजुकेट गल्स के कारण मुझे नई उड़ान मिली है। एजुकेट गल्स से पहले में शिक्षा से कोसो दूर थी। समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार एजुकेट गल्स एक गैर-सरकारी संगठन है, जो समग्रतापूर्वक भारत के शिक्षा तंत्र में लिंग असमानता के प्रमुख कारण के मुद्दों से निपटता है। संगठन की स्थापना 2007 में की गई। एजुकेट गल्स का प्रबंधन एवं आठटरीच कार्यालय मुंबई में है। यह राजस्थान के 7 पिछड़े जिलों में (पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूदी और भीलवाड़ा) परिचालन करता है। एजुकेट गल्स द्वारा 4,600 गांवों में 8000 से अधिक स्कूलों में अपने प्रोग्राम क्रियान्वित किये गये हैं। विगत 8 वर्षों में एक लाख लड़कियों का नामांकन कराया और इनके कार्यों से 28 लाख से अधिक बच्चें लाभान्वित हुये हैं।

एजुकेट गर्ल्स ने टीन बालिकाओं (सानुदायिक स्थायंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

जालोन (राजस्थान X पृष्ठें) : एजुकेट गर्ल्स (एक और-साक्षरता संशोधन विद्यालय तात्पुरियों की शिक्षा के लिए शोधादिक रूप से विद्युत विद्यालयों में सहभाग, स्कूल एवं लोक प्रशासनिक विद्यालयों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने इच्छा स्थापना विद्यालय की वर्षगांठ वीर मनाने के लिए जाने लालकर बालिकाओं में एक विशाल समझौता का आयोजन किया। समाप्ति में शुभ अंतिम दिन एवं दिन के रूप में जिला प्रभुता टॉ. बड़े विल गोविंद एवं विधायिक अधिकारी संग में भी जबाहर चीधरी वीरा भवनका ने शिरकत की। प्राप्त वर्ष के समाप्त ही इस वर्ष भी इस समाप्ती में 150 दीन बालिका-सहस्रनां ने इस विशेष दिवस पर विद्यार्थीक समाजों एवं प्रोफेशन के लिए एक सात उपर्युक्त ही कर अपने संकालण का प्रदर्शन किया। इन्होंने आधिकारिक वर्गों वाले सामाजिक कार्यकारी को भी ऐसा किए जिसमें संतुष्टिप्रद उत्सुकियां, गोल-प्लै एवं उच्च उच्चकाल संग्रह और उत्तमिकार्यों की जूरीयताएँ शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 300 लोग उपसंधन थे, जिसमें सहकारी अधिकारी, एवं आर.आई. सटर्टअप, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं दीन बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे मूल की इस वर्ष के द्वितीय उद्घाटन को खाल में रखा का विवरण दीक्षित ने उद्घाटन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स नवीन समग्र में सामाजिक क 7 विद्यालयों के 4600 छात्रों में फैले लगभग 8000 लक्षणीय कारोबार है। इस पूर्व अपने सुधारणा

के समय से इस विद्यालय ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से आज लक 25,00,000 से अधिक बच्चे नामांकन ग्रहण किया है। यह वर्ष विशेषज्ञ वर्ष है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनुष्ठान विशेषज्ञों वाले प्राचुर्यमें विद्यालय में आयोजित है। आपका दिवस वो 6वीं वर्षगांठ का नह बर्थडे, दोहरी युवतीयों को ले कर आया है विशेषज्ञ एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के विविध महात्म्यपूर्ण आवाई-स्कॉल अवाई ही जो हालात किया। यह अवाई एजुकेट गर्ल्स को अविसर्जनी, इंशेंड में दिया गया। सुरेश मुद्रणालय, मुख्य विवाहन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संदेशित करते हुए कहा था, कि वर्ष एक वर्षा समय होता है। एजुकेट गर्ल्स आज जिस युकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी दोनों के बालिन वर्षित दो दृष्टा की महात्म्यपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को महावाट देता हूं, विशेषकर आपकी दीन बालिका के सदस्यों को। बालिका विद्यालय के बालिकाएँ में अपने बहुमूल लगाए रखें एवं भावत को प्रत्येक बालिका की विश्वा उदास करें, एजुकेट गर्ल्स विवर को मुख्य सम में विश्वासी बनाएं कि विवर के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने



का 1,00,000 बालिकाओं को अलग लगे पंक्तों से सुधारनकार किया है, जिसे आप ने अपनी उक्त विवाहित किया है और आप के इस प्रवास से अपने बाली समय में एक बड़ा बदलाव होएगा। मैं आप सभी से यह युवाओं का लक हूं कि आप एजुकेट गर्ल्स को लोगों का सम्बोध देता जाता रहते एवं आप जो प्रत्येक बालिका की विश्वा उदास करते, एजुकेट गर्ल्स विवर को मुख्य सम में विश्वासी बनाएं कि विवर के लिए आप करें।

एजुकेट गल्स ने स्थापना दिवस मनाया

जालोर। राजस्थान के जालोर में एजुकेट गल्स एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8 वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'शंकर वाटिका' में समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन सिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया।

एजुकेट गर्ल्स संस्था ने ८वीं वर्षगांठ मनाई

नवरात्रि संबंधित | पत्री

एजुकेट गर्ल्स संस्था ने मंगलवार को ४ से ८ बजे स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई। इस शोके पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के दौर पर कलेक्टर कुमारपाल गोतम व एसपी दीपक भारती भौजट थे। प्रथम वर्ष की तरह इस वर्ष भी इस समारोह में ३३० टीम जालिया सदस्यों ने इस विरोध दिवस पर धारामार्गिक सराइना एवं प्रोत्साहन के लिए एक बाल उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। संगीतमय प्रस्तुतियों, गोल-सो एवं उनके व्यक्तिगत नृत्यों और उपलब्धियों की हृदयमयी कहानियां शामिल थीं। इस शोके पर कई सरकारी अधिकारी, पीआरआई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कम्बियो एवं टीम जालिया के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थान को इस वर्ष के खेल 'डाइन' को ख्यान में रख कर वित्तन परक तरीके से डिवाइन किया गया था।



कर्मी, एजुकेट गर्ल्स संस्था ने ८वीं वर्षगांठ की उर्जाओं का लालन किया। इन शोकों पर लंगूरीक कार्यक्रम की प्रस्तुति देती जारी।

एज्यूकेट गल्स की मनाई आठवीं वर्षगांठ सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बिखेरी छटा

पाली। एज्यूकेट गल्स के 8वें स्थापना दिवस को लेकर मंगलवार को किसान केसरी गार्डन में समारोह का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव एवं जिला कलेक्टर कुमारपाल गौतम ने किया। अतिथि के रूप में सर्वशिक्षा अभियान के जगदीशचंद्र राठौड़ ने भी शिरकत की। पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी कि है एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस



समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर

अपने संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियों से लोगों को अचम्भित कर दिया। इस अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, "8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भुमिका है। मेरे अपने बहुमुल्य समय एवं प्रयास उन एक लाख बालिकाओं को आशा रूपी पंख से सुसज्जित किया है, जिन्हें अभी तक नामांकित किया है और इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।



एजुकेट गल्स ने मनाया आठवां स्थापना दिवस

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मनमोहा, बालिका विकास पर मंथन

■ राजस्थान खोज खबर

पाली। पाली। एजुकेट गल्स की ओर से आठवें स्थापना दिवस पर मोलवार के यहां किसान केमरी भैरों गाहन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन के दौरान कार्यक्रम स्थल के हम वर्ष की शीम उड़ान को ध्यान में रख कर डिजाइन किया गया। कार्यक्रम में एजुकेट गल्स की बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों दी। हमें रोल व्हे पर्व उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानियां साझेल थीं। कार्यक्रम सरकारी अधिकारी, श्रीआई सदस्य, एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम की 330 बालिकाओं सहित बड़ी संख्या में प्रबूद्धन मौजूद रहे।



समारोह में 330 टीम बालिका बदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारम्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने सरकारी अधिकारी, श्री आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल भी देखा किया। संगीतभ्रय प्रस्तुतियों,

गोल-पो एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हटायस्पती कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, श्री आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल

थे। जिला कलाकार कार्यक्रम कुमारपाल गौतम कार्यक्रम में बतौर मुख्य अधिकारी शरीक था। वही पुलिम अधिकारी पाली ट्रायक भागव, पट्टीपेंगो जगदीशचन्द्र राठोड, परीमी मंत्रीशंह ड जवल व जिला सांवरता अधिकारी बुधाराम भौजूद थे विशिष्ट अंतिम थे।

28 लाख से अधिक बच्चे लाभावित

एजुकेट गल्स के मुख्य परिचयान अधिकारी सुरेश सुदमाण्डल ने बताया कि एजुकेट गल्स भाज जिले मुकाम पर थांडा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिक्रम एवं दृष्टिकोण महत्वपूर्ण भूमिका है। एजुकेट गल्स बलवान समव में राजस्थान के 7 ज़िलों के 4600 गांवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में

कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामोंकल किया। एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभावित हुए हैं। यह वर्ष प्रतिशतांसक रहा है, अधिक एजुकेट गल्स 10,00,000 से अधिक अनुठे लाभावितों तक पहुंचने में सकाल रहा है। यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से बहुत बढ़ा सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की उपर्युक्त पर्सनाल का यह समारोह, दोहरी शुद्धियों ले कर आया है अधिक एजुकेट गल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में समाजिक क्षेत्र के सांस्कृतिक महत्वपूर्ण अवाहन - स्कूल अवाहन के बालिका को अधिकारीहैं, इन्हें में दिया गया।

स्वतंत्रताधिकारी मैं राजस्थान खोज खबर के लिए प्रकाशक व मुद्रक राजेन्द्रसिंह द्वारा राजस्थान खोज खबर दिलीय तल, भाटी देवरी, नवलगढ़ा रोड, पाली (राज.) से प्रकाशित
RNI/RAJHIN/2009/27211 पोस्टल रजिस्ट्रेशन PALLI / 72/2015-2017. फोन व फैक्स: 02932-227066, समाचार संसाधक: दिनेश जोशी-पीआरबी एफ्ट के तहत समाचार।

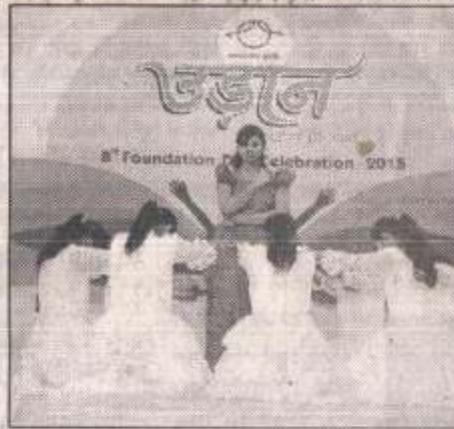
बालिका शिक्षा के विकास पर किया मंथन

एजुकेट गल्फ ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्थापना दिवस) के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

पाली, 8 दिसंबर। एजुकेट गल्फ (एक गो-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से प्रयोग कियोंगे में सरकार, स्कूल एवं सोक्रातिक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी भी है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'किसान केशरी मेरिज गाड़न' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समाप्त ही इस वर्ष भी इस समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सहायता एवं प्रोत्त्वाहन के लिए एक सच्च उपस्थित हो कर अपने संकरण का प्रदर्शन किया। इन्होंने अधिकारी मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगोष्ठीय प्रस्तुतियाँ, रोल-प्ले एवं डग्के व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की छट्टयमण्डि कहानियाँ शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य,

कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गल्फ 10,00,000/- कर वित्तनपरक तरीके से छिंगाइन किया गया था। कार्यक्रम में बतौर अधिकारी के रूप में जिला कलाकार पाली कुमार पाल गौतम, पुलिस अधीक्षक पाली दीपक भार्गव, एडीपीसी जगदीश चन्द्र राठी, एपीसी मोतीसिंह ऊम्बल व जिला साकारता अधिकारी कुधाराम मौजूद थे।

एजुकेट गल्फ



अधिक अनूठे साधारणियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से यहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, बालिका शिक्षा के

दोहरी दुशियों को ले कर आया है, क्योंकि एजुकेट गल्फ ने इस वर्ष के प्रत्येक समाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक मानोद्देश्य अपार्टमेंट-

स्कॉल अपार्टमेंट को द्वासित किया। यह अपार्ट एजुकेट गल्फ को अपार्टमेंट इंग्लैंड में दिया गया।

मुख्यमन्त्री सुश्रमणिन, मुख्य प्रिंसिपल च १.१८ न अधिकारी, एजुकेट गल्फ ने इस अवसर पर लोगों की संबोधित करते हुए कहा कि, "8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट

गल्फ जाज जिस मुकाम पर रहा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिक्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीम बालिकाओं के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के

सारोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयोग को बोलावर करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने लगे 1,00,000 बालिकाओं को आपनी रुपी पंखो से सुसमिलित किया है, जिन्हें आप ने अपनी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयोग से आपने जाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। मैं आप सभी से यह युक्तिपूर्वकता हूं कि आप एजुकेट गल्फ को अपना समर्थन देना जारी रखें। एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गल्फ विज्ञ को मूर्ति रूप में परिवर्तित करने के लिए काम

एजुकेट गल्फ का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का विवहासमाज, सामाजिक पर्व आदिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को युजवान्युक्त शिक्षा प्राप्त करेंगे का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछ्हे समुदाय में निवास करने वाले लालाजा 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।



एजुकेट गल्स का आठवें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

निजी संवाददाता पाली। एजुकेट गल्स की ओर से -आठवें स्थापना दिवस पर मंगलवार को यहां किसान केसरी मैरिज गार्डन में कार्यक्रम

आयोजित किया गया। आयोजन के दौरान कार्यक्रम स्थल को इस वर्ष की बीम उद्घान को ध्यान में रख कर डिजाइन किया गया। कार्यक्रम में एजुकेट गल्स की

बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इनमें रोल प्ले एवं ढनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानियां शामिल थीं।

कार्यक्रम सरकारी अधिकारी, पीआई सदस्य, एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम की 330 बालिकाओं सहित बड़ी संख्या में प्रवृद्धजन मौजूद रहे।

एजुकेट गल्स ने अपने ४वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

(बरानाद न्यूज)
पाती ०८ दिसेम्बर

एकुणेक गल्ल्स (एक गैर-मरकारी संगठन विसने लाभकारी को विद्या के लिए शैक्षणि । । ।) से पिछड़े विलीं में सकारा, स्कूल एवं लोक प्रशासनीय निकायों के सभ्य सदस्योंद्वारा को है) ने आज अपने वृत्त स्थापना दिवस को बनाने के लिए आज 'विद्यान के शहरी मैट्रिक गार्डन' में एक विशाल सम्मानोत्तर का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 330 टीम वालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर प्रोत्साहनीय सराजनों पर प्रोत्साहन के लिए एक सभ्य उत्सवित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अंतर्राष्ट्रीय ननोटेक्नो सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, विद्यामं संगीतमय प्रदर्शनियाँ, गोल-ल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संरचन और उपलब्धियों को छविमयरूपी कहानियों शामिल थी। इस अवसर पर कुल 600 जन उपस्थिति, विद्यार्थी मरकारी भ्रष्टाचारी, पी. आर. आई. मरकारी, एकुणेक गल्ल्स के वर्षभारी एवं टीम वालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के लिए "ढारा"



को भ्यान में रख कर वित्तनपक लटीके से हिजाइन किया गया था। कार्यक्रम में बहुत अधिकिय के रूप में विद्या कलाकार पाली कुमार पाल गीतम, पुस्तिक अधिकारी गती दीपक भारीव, एटीएसी जगदीशचन्द्र राठोड़, पर्सीयों जनतानिधि उम्मवल य विदा साहस्रनाम अधिकारी बुधाराम गीतद थे।

एजुकेट गवर्नमेंट मन्त्री
में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गांवों
में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत
है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय

से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक भालौकाओं का नामांकन किया। एनुकेट गर्व से कोयी से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभार्थित हुए हैं। यह बच्चे ऐतिहासिक रहा है, ज्योति एनुकेट गर्व से 100,000,000 से अधिक अनुमोदित लाभार्थियों तक खड़चने में सफल हुआ है—यह उपलब्धि इसका सफलता के बाद से फिरी भी ऐसीप्रकार यह की अपेक्षा से पहली बार मार्गदर्शनी अधिक है। स्वास्थ्य दिवस की दृश्य वर्षांगत का यह समरोह, योद्धा शूलियों को ले कर आया है

न्यायिक एन्युकेट गलर्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में शामाजिक सेंट्र के सम्बोधित महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एन्युकेट गलर्स को अंडरग्राउंड, ईंटरीन दि दिया गया।

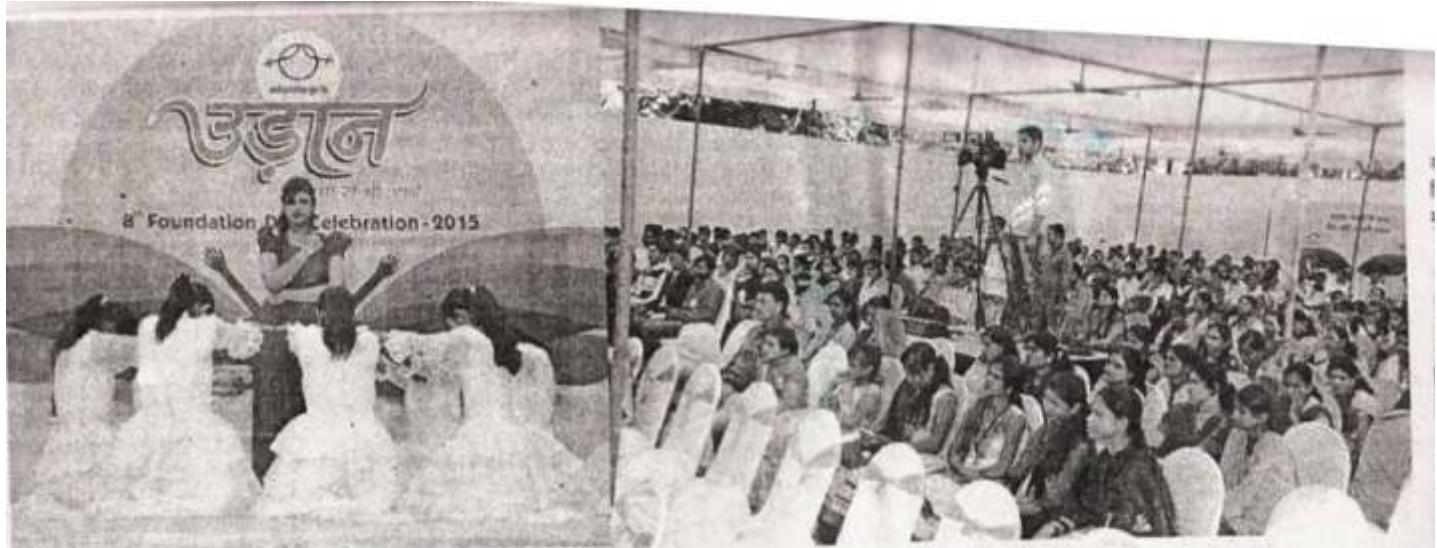
कर्तिन परिवर्तम एवं दुलाल की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, जिसकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के स्रोतकर मैं आपने बहुमूल्य समय एवं प्रयासों को न्योजित करने के लिए आप को बहुत धन्यवाद। आप ने उन 1,00,000 बालिकाओं को आशा रूपी पंखों से सुसज्जित किया है, जिन्हें आप ने अभी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। मैं आप सभी से यह गुणांशिर करता हूं कि आप एनुकेट की अपनानी देखा जाए रहें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एनुकेट गर्ल्स विजन को मृत रूप में परिवर्तित करने के लिए कार्य करें।''

एनुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारानुसार, सामाजिक एवं आधिकारिक रूपानुपरापर करना है, जहाँ पर सभी बच्चों को गुणवत्त्वानुसार अपनाया जाया करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के बिंदें समुदाय में विजास करने वाले संघरण 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

बालिका शिक्षा...

यह अवार्ड एजुकेट गलर्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैण्ड में दिया गया। सुरेश सुन्नमण्णिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गलर्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, " 8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गलर्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूँ, विशेषकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योचावर करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने उन 1,00,000 बालिकाओं को आशा रूपी पंखो से सुसज्जित किया है, जिन्हें आप ने अभी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। मैं आप सभी से यह गुजारिश करता हूँ कि आप एजुकेट गलर्स को अपना समर्थन देना जारी रखें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गलर्स विज़न को मूर्त रूप में परिवर्तित करने के लिए कार्य करें।" एजुकेट गलर्स का लक्ष्य भारत को सभी बालिकाओं का व्यवहासगत, सामाजिक एवं आर्थिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।



बालिका शिक्षा के विकास पर किया मंथन

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्थापना दिवस की ४वीं वर्षगांठ मनाई

पाली, (नगर प्रभा टीम)। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संस्थान जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से योगदान दियो है) ने आज अपने ४वें स्थापना दिवस को वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'किसान केशी मैरिज नाईन' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। प्रारंभिक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर प्रारम्भिक समराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साध उपस्थित ही कर अपने

संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी योजना किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, गोल-प्लै एवं उनके व्याकरणत संचरण और उपलब्धियों की इदायस्थशी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित हो, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई.सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिकाओं के सदस्य



शामिल थे। इस दूसरे द्वय को इस वर्ष की भी 'ड्रहम' को ध्यान में रख किया गया था। कार्यक्रम में बतीर अतिथि के रूप में जिता कालकटर पाली कुमार पाल गौतम, पुलिस अधीक्षक पाली दोपक भारत, एडोपीसी जगदीश चन्द राठौड़, एपीसी मारीसिंह उड़ववल व जिता माकरता अधिकारी बुधराम मोर्जू थे।

एजुकेट गर्ल्स वहनान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत हैं। ४ वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का

नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे सामान्यत हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनुदानाधीनी तक पहुंचने में सफल रहा है—यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की ४वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहने शुभियों को से कर आया है कर्तृतोंके एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में समाजिक सेवा के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवधार—स्कूल अवाही को हासिल किया। (भैंग पृष्ठ 2 पा)

कर चिंतनपरक तरीके से दिखाइन

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

एजुकेट गल्फ ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की ४वीं वर्षगांठ मनाई

पाली। एजुकेट गल्फ (एक ग्र-प्रकारी संगठन जिसने लड़कों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं सोक प्रशासकीय निकायों के साथ सझेदारी की है) ने आज अपने ४वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'किसान केशरी पैरिज गार्डन' में एक विशाल सम्प्रोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में ३३० टीय बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर प्रतिशारिक स्तराना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपचित्र हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक प्रोत्साहन कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियाँ, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियाँ शामिल थीं। इस अवसर पर कुल ६०० लोग उपस्थित थे, जिसमें प्रकारी अधिकारी, पी.आर.आई सहित, एजुकेट गल्फ के कर्मचारी एवं टीय बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे समूल को इस वर्ष के शीय "उद्घाटन" को ध्यान में रख कर चिंतनप्रकृति तभीके से डिजाइन किया गया था।



कार्यक्रम में बत्तीर अतिथि के रूप में जिला कलकटा पाली कृष्ण पाल गोदम, पुलिम अधीक्षक पाली दीपक भाराव, एडीपीसी जगदीशचन्द्र राठोड, पीसी पोतीपिंडे उम्जबल व जिला साक्षरता अधिकारी बुधराम पीनूर थे। एजुकेट गल्फ वर्तमान समय में राजस्थान के २ जिलों के ४६०० गाँवों में फैले संगठन ८००० स्कूलों में कार्यरत है। ४ वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने १,००,००० से अधिक बालिकाओं को ले कर आया है जिसकी टीय के कानि

एजुकेट गल्फ ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक शेष के सर्वाधिक प्रतिशत अवार्ड - स्कूल अवार्ड यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि यह अवार्ड एजुकेट गल्फ १०,००,००० से एजुकेट गल्फ के अंकमध्ये, अधिक अनुठे लाभार्थीयों तक हुआ है। सुरेश पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की ४वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों १,००,००० से अधिक बालिकाओं को ले कर आया है जिस प्रकार उसमें इसकी टीय के कानि

परिव्राम एवं दृढ़ा की प्रत्येक धूमधारा है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीय बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के समीकार में आपने बहुप्रय समय एवं प्रयास को न्योछावा करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने उन १,००,००० बालिकाओं को आशा रूपी रूपी से सुझाइन दिया है, जिन्हें आप ने अभी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा।

मैं आप सभी से यह गुरुरिश करता हूं कि आप एजुकेट गल्फ कीअपना भ्रम्यमंत्र देना जारी रखें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गल्फ विजय को पूर्ण रूप में परिवर्तित करने के लिए काम करें।"

एजुकेट गल्फ का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का अवधारणा, सामाजिक एवं जारीक रूपसंतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

एज्युकेट गलर्स ने मनाई अपनी 8वीं स्थापना दिवस की वर्षगांठ

नवज्योति/पत्ती।

गैर सरकारी संगठन एज्युकेट गलर्स ने मंगलवार को अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ पर शहर के किसान केसरी मैरिज गार्डन में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया।

जिन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियाँ, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पन्दनीय कहानियाँ शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एज्युकेट गलर्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस



पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम 'उड़ान' को ध्यान में रख कर चिंतनप्रक तरीके से डिजाइन किया गया था। एज्युकेट गलर्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गांवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। संगठन के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुद्रामण्यम ने कहा कि 8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एज्युकेट गलर्स आज जिस

मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला कलक्टर कुमारपाल गौतम व जिला पुलिस अधीक्षक दीपक भारव ने दीप प्रज्ञवलित कर किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वशिक्षा अभियान के जगदीशचंद गाठौड़ मौजूद रहे।

● बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

पाली, (राकेश रावल): एजुकेट गल्फ्स ने अपने ४वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए बुधवार को 'किसान केशरी मैरिज गार्डन' में समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी समारोह में ३३० टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया। जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं।

बेटी पढ़ेगी तो ही दुनिया बढ़ेगी



इन्हीं कालेजी स्थित एक भवन में एजुकेट गलर्स की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

पत्रिका

एजुकेट गलर्स ने मनाया आठवां स्थापना दिवस

पाली @ पत्रिका. जालिका शिक्षा के लिए काम कर रहे गैर सरकारी संगठन एजुकेट गलर्स का आठवां स्थापना दिवस पाली के किसान केसरी गार्डन में मंगलवार को मनाया गया। बच्चों ने नाटक के माध्यम से पढ़ाई की सामाजिक आवश्यकता और गाई के उत्थान में इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके अलावा संगीतमय प्रस्तुतियां, कार्यकर्ताओं के व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियां भी बताईं।

कार्यक्रम में अतिथि जिला कलक्टर कुमारपाल गौतम, एसपी दीपक भारद्वाज, एडीपीसी जगदीशचन्द्र राठौड़, एपीसी मोतीसिंह उज्ज्वल व



एजुकेट गलर्स की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देरी छात्राएं।

पत्रिका

जिला सांखरता अधिकारी बुधाराम मौजूद रहे। कलक्टर ने सम्बोधन में कन्या शिक्षा की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में संस्थान के मुख्य परिचालक अधिकारी सुरेश सुद्धारण्यम ने बताया कि आठ वर्ष में संगठन ने एक लाख से अधिक बालिकाओं का नामांकन करवाया

और उनके कार्यों से 28 लाख बच्चे लाभान्वित हुए हैं। इसी की बदौलत एजुकेट गलर्स को स्कॉल अवार्ड ऑफरसफोर्ड इंग्लैंड में दिया गया। संचालन कर रही संस्थान की मीना भाटी ने बालिकाओं का व्यवहारण, सामाजिक एवं आर्थिक रूपान्तरण के विषय पर जानकारी दी।

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

एजुकेट गल्स ने स्थापना दिवस की ८वीं वर्षग्रांथ मनाई

जोधपुर। एजुकेट गल्स ने जापानी इंडिपेंडेंट शिक्षा की विधाओं को यापने के लिये अमेरिका 'विद्यालय काला' में बैठक आयोजित की आयोजन किया। इंग्रिज भाषा के साथ ही इस शार्प और इन समझीत में ३३० ट्रॉफ विजेताओं ने इस विद्यालय पर ध्यान दिया। इस विद्यालय का नाम 'इंडिपेंडेंट विड्या एजुकेट गल्स इंडिपेंडेंट गल्स' है। इन्होंने इंडिपेंडेंट गल्स एजुकेट गल्स का उद्घाटन किया। इन्होंने इंडिपेंडेंट गल्स एजुकेट गल्स को भी ऐसा किया, जिसमें सभी लड़काएँ अंग्रेजी, रोल-ले लेख उपर्युक्त विषयों विवरण और उदासाहिती को इंडिपेंडेंट कहानोंपर साझित की है। इन अवधि पर बालिकी अधिकारी, भौतिक विज्ञान, एजुकेट गल्स के



इंडिपेंडेंट गल्स एजुकेट गल्स को इंडिपेंडेंट विड्या एजुकेट गल्स का इस वर्ष के नाम 'इंडिपेंडेंट गल्स' को घोषित किया गया। इन्होंने इंडिपेंडेंट गल्स का उद्घाटन किया।

इंडिपेंडेंट गल्स एजुकेट गल्स को इंडिपेंडेंट विड्या एजुकेट गल्स का इस वर्ष के नाम 'इंडिपेंडेंट गल्स' को घोषित किया गया। इन्होंने इंडिपेंडेंट गल्स का उद्घाटन किया।

इंडिपेंडेंट गल्स एजुकेट गल्स को इंडिपेंडेंट विड्या एजुकेट गल्स का इस वर्ष के नाम 'इंडिपेंडेंट गल्स' को घोषित किया गया। इन्होंने इंडिपेंडेंट गल्स का उद्घाटन किया।

इंडिपेंडेंट गल्स एजुकेट गल्स को इंडिपेंडेंट विड्या एजुकेट गल्स का इस वर्ष के नाम 'इंडिपेंडेंट गल्स' को घोषित किया गया। इन्होंने इंडिपेंडेंट गल्स का उद्घाटन किया।

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

एजुकेट गल्फ ने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

यात्री। गैर-सरकारी संगठन एजुकेट गल्फ ने आपने धूमें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए जाव 'किसान अवश्य भौतिक गाहन' में एक समारोह का आयोजन किया। प्राचंक बच्चे के सम्बन्ध ही इस बर्व भी इस समारोह में 330 टीम वालिका संघर्षों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक समाजना एवं प्रेसाहन के लिए एक साथ उत्सुकता ही कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने भनोरियक सास्कृतक कार्यक्रमों को भी पेस किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियाँ, दोल-धूम एवं उनके अविकाश संभर्ष और उपलब्धियों की इटायमती कर्तानक्षी शामिल थीं। इस अवसर पर सरकारी अधिकारी, पोंआरआई सदस्य, एजुकेट गल्फ के कर्मचारी



एवं टोप वालिका के सदस्य शामिल हैं। इस गैर सरकारी द्वारा नवं संगीत 'उड़ान' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक रहेके से डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम में बहाओं अलिशि के रूप में जिला कलानाथ पाली कुमार घास गीतम्, पुलिम अशोक काली पाली दोषक भाग्य, एडीपीसी जगदीशनन्द राहोड़, एसोसी मानोसिंह उन्नायन व जिला साकरणा अधिकारी भूवारप मीखट थे।

मुख्य परिवालन अधिकारी संरक्ष तुबनीग्न ने इस उत्सव पर लोगों का मनोधिनकाले दूर कहा कि एजुकेट गल्फ का नाम भाले को मध्य सालिकामें जा जायार्गत, भास्त्रिक एवं आनिक गुणतरण करता है, वहां पर सभी बच्चों को गुणात्मक शिक्षा प्राप्त करने का समन अवसर प्राप्त किया जाए।



Publication	TEESRA PRAHAR
Date	9 Dec. 15
Page	6

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

एजुकेट गल्स ने टीम बालिकाओं के साथ स्थापना दिवस की ४वीं वर्षगांठ मनाई

जोधपुर : एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लाइकायों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं सोक अशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने अपने ४वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'किसान केशरी मैरिज गार्डन' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में ३३० टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया।

इन्होंने अत्यधिक मनोरोजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियाँ, गोल-लो एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष औं उपलब्धियों को हृदयस्पर्शी कहानियाँ शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के कार्यचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के धीम "ड़डान" को ध्यान में रख कर चिंतनप्रक तरीके से डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में जिला कलक्टर पाली कुमार पाल गौतम, पुलिस अधीक्षक पाली दीपक भारंग, एडोपीसी जगदीशचन्द्र गार्ड, एपोसी मोटोरसाइकिल उच्चवाल व जिला साक्षरता अधिकारी बुधाराम मीजूद थे।

एजुकेट गल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। ४ वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया।

एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गल्स 10,00,000 से अधिक अनुत्तराभासियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धिग्रह इसको स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से बहस्ती बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की ४वीं वर्षगांठ का यह सम्पादन, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवाहन - स्कॉल अवाहन को हासिल किया। यह अवाहन एजुकेट गल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

सरेण सुखमण्डप, नुख्य परिवासन अधिकारी, एजुकेट गल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि ४ वर्ष एक लक्ष समय होता है। एजुकेट गल्स आज जिस मूकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों जो बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रवास को न्योछावर करने के लिए आप को बहुत बहुत धन्यवाद।

एजुकेट गल्स का आठवें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का

आयोजन

निजी संवाददाता

पाली । एजुकेट गल्स की ओर से आठवें स्थापना दिवस पर मंगलवार को यहां किसान केसरी मैरिज गार्डन में कार्यक्रम आयोजित किया गया । आयोजन के दौरान कार्यक्रम स्थल को इस वर्ष की थीम उड़ान को ध्यान में रख कर डिजाइन किया गया । कार्यक्रम में एजुकेट गल्स की बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों दी । इनमें रोल प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानियां शामिल थी । कार्यक्रम सरकारी अधिकारी ए पीआई सदस्य एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम की 330 बालिकाओं सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन मौजूद रहे ।

नारी जरूरत पड़ने पर शवित रूप भी धारण कर सकती हैं: एसपी



जालोर, समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती बालिकाएं।

**कार्यक्रम का शुभारंभ
अतिथियों द्वारा मां
सरस्वती की तस्वीर के
समक्ष दीप प्रज्ज्वलित
कर किया**

भास्कर न्यूज | जालोर

एजुकेट गलर्स का आठवां स्थापना दिवस समारोह बुधवार को शंकर बाटिका में समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल, सीईओ जवाहर चौधरी व एसपी श्वेता धनकड़ अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों की ओर से मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी श्वेता धनकड़ ने नारी को नारायणी का दर्जा देते हुए कहा कि नारी को प्राचीन काल से ही सम्मान की नजर से देखा जाता रहा है। लक्ष्मी, सरस्वती व दुर्गा तीनों नारी के ही रूप हैं। इस अवसर पर डीईओ माध्यमिक

जयनारायण द्विवेदी, डीईओ प्रारंभिक सैव्यद अली सैव्यद सहित संस्था से जुड़े पदाधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दी आकर्षक प्रस्तुतियां

समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्राओं की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोल-एन, उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयरस्पर्शी कहानियां पेश की। छात्राओं ने वृत्त्य के माध्यम से संस्था की थीम 'उडान' का भी मनमोहक प्रस्तुतीकरण दिया गया।

संस्था के बारे में दी

जानकारी

एजुकेट गलर्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुबमण्यन ने कहा कि संस्था आज जिस मुकाम पर है, उसमें टीम के सभी सदस्यों के 8 सालों के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

“उड़ान” के जरिए बताई अपनी अभी तक की उड़ान

जालोर। एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने बुधवार को अपने ४वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए ‘शंकर वाटिका’ में एक विशाल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड़ ने शिरकत की।

एजुकेट गल्स ने टीम बालिकाओं के साथ अपने स्थापना दिवस की ८वीं वर्षगांठ मनाई



जालोर, राजस्थान। एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने ८वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बने सिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री जवाहर चौधरी व श्रेता धनकड़ ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में ७५ टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को धी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल ९ लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनप्रक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गल्स वर्तमान समय में राजस्थान के ७ जिलों के ४६ गाँवों में फैले लगभग ८५ स्कूलों में कार्यरत है। ८ वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने १११ से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक २८११ से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

एजुकेट गल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्थापना दिवस की ४वीं वर्षगांठ मनाई

जालोर, राजस्थान। एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने ४वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बत्रे सिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री जवाहर चौधरी व श्रेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में ७५० टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल ९०० लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनप्रक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गल्स वर्तमान समय में राजस्थान के ७ जिलों के ४६०० गाँवों में फैले लगभग ८००० स्कूलों में कार्यरत है। ८ वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने १,००,००० से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक २८,००,००० से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गल्स १०,००,००० से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की ४वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कॉल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया। सुरेश सुब्रमण्यन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, "८ वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

एज्यूकेट गल्स वार्षिक महोत्सव आज

नवज्योति/ जालोर। एजुकेट गल्स के आठवें स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक महोत्सव आज 9 नवंबर को प्रातः 11.30 बजे शंकर वाटिका में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोल प्ले एवं हृदय स्पर्शी कहानियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। एजुकेट गल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुब्रमण्यम की उपस्थित में 370 बालिका टीम द्वारा अपने हुनर को प्रदर्शन किया जाएगा।

एजुकेट गल्स ने मनाई स्थापना की 8वीं वर्षगांठ

नवज्योति/जालोर।

एजुकेट गल्स ने बुधवार को अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया।



समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बत्रेसिंह गेहिल एवं विधिविधि अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व खेता धनकड़ ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक

कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, गोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 9 सौ लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनप्रकृत तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गल्स वर्तमान समय में रोजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8 हजार स्कूलों में कार्यरत हैं। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1 लाख से अधिक बालिकाओं

का नामांकन किया। एजुकेट गल्स के काव्यों से अब तक 28 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गल्स 10 लाख से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है। यह उपलब्धिय इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की ओराजा में पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गल्स ने इस वर्ष के ग्रामीण में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड स्कॉल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

एजुकेट गल्स ने वर्षगांठ मनाई

■ राजस्थान खोज खबर

जालोर। एजुकेट गल्स ने बुधवार को ४ वें स्थापना दिवस की वर्षगाठ का समारोह का आयोजन एक निजी बाटिका में किया। समारोह में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख बन्नेसिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप जालोर पुलिस अधीक्षक श्वेता धनखड़ व जवाहर चौधरी थे। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी इस समारोह में ७५ बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों को पेश किया जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल प्ले, एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानिया शामिल थी। एजुकेट गल्स वर्तमान समय में राजस्थान के सात जिलों के ४६०० गांवों में फेलें लगभग ८०००



एजुकेट गल्स के वर्षगांठ कार्यक्रम में उपस्थित एजुकेट गल्स

स्कूलों में कार्यरत है इस अवसर पर एजुकेट गल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यन ने इस अवसर पर लोगों का संबोधित करते हुए कहा कि ४ वर्ष एक लम्बा समय हाता है। जिससे एजुकेट आज इस मुकाम पर खड़ा है। इसमें कठिन

परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। एजुकेट गल्स के सामुदायिक स्वयं सेवकों को टीम बालिका के नाम से पुकारा जाता है। टीम बालिका अपने संबोधित गांवों में स्कूल सुधार के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्यरत है।

'एजुकेट गल्स ने दी बालिकाओं को नई उड़ान'

जालोर, (कासं)। एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन) ने बुधवार को अपने 8 वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ के लिए 'शंकर वाटिका' जालोर में एक विशाल समारोह का आयोजन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्नेसिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व श्रेता धनकड़ ने शिरकत की। इस मौके वा एसपी श्रेता धनखड़ न कहा कि एजुकेट गल्स से बालिकाओं को नई उड़ान दी हैं। जालोर की पुष्पा सागर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि एजुकेट गल्स के कारण मुझे नई उड़ान मिली है। एजुकेट गल्स से पहले में शिक्षा से कोसो दूर थी। समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार एजुकेट गल्स एक गैर-सरकारी संगठन है, जो समग्रतापूर्वक भारत के शिक्षा तंत्र में लिंग असमानता के प्रमुख कारण के मुद्दों से निपटता है। संगठन की स्थापना 2007 में की गई। एजुकेट गल्स का प्रबंधन एवं आठटरीच कार्यालय मुंबई में है। यह राजस्थान के 7 पिछड़े जिलों में (पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूदी और भीलवाड़ा) परिचालन करता है। एजुकेट गल्स द्वारा 4,600 गांवों में 8000 से अधिक स्कूलों में अपने प्रोग्राम क्रियान्वित किये गये हैं। विगत 8 वर्षों में एक लाख लड़कियों का नामांकन कराया और इनके कार्यों से 28 लाख से अधिक बच्चें लाभान्वित हुये हैं।

एजुकेट गर्ल्स ने टीन बालिकाओं (सानुदायिक स्थायंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

जालोन (राजस्थान X पृष्ठें) : एजुकेट गर्ल्स (एक और-साक्षरता संस्थान जिसमें लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से उपयोग किया जाता है) में भवनात्, स्कूल एवं लोक प्रशासनिक विभागों के साथ माझेहाँ की है। वे आज अपने इच्छा स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए जाने लाकर बालिकाओं से एक विशाल समझौता का आयोजन किया। माझेहाँ में गृहन अधीक्षण के रूप में जिला प्रभुता टॉ. बोरे निर्द गोविंद एवं विधायिक अधीक्षण में काग में भी जबाहर चीधरी व भेंता भास्कर ने शिरकत की। प्राप्त वर्ष के समाप्त ही इस वर्ष भी इस समस्तीत में २५८ टीन बालिका-सहस्रनां ने इस विशाल दिवस पर विद्यार्थिक साक्षरता एवं प्रशिक्षण के लिए एक सात उपर्युक्त ही कर अपने मंजराएं का प्रदर्शन किया। इन्होंने आधिकारिक बालों-वाले सामूहिक कार्यक्रमों को भी पेश किया। विशमें संविधान प्रमुखिका, गोल-प्लै एवं डॉक बर्किंघम सर्कर और इन्होंन्होंने भी उपर्युक्त कार्यक्रमों का उपयोग किया है। इस अवसर पर कुल ३०० लोग उपस्थिति हैं, जिसमें सरकारी अधिकारी, और आई-स्टेट्स एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल हैं। इस पूरे मैदान की इच्छा के द्वारा उद्घाटन को खाल में रखा का विश्वास की गई है। इच्छा का नाम था। एजुकेट गर्ल्स नवीन समय में साक्षरता के ७ जिलों के 4600 गांवों में फैले राजधानी 8000 लोगों की कार्रवाई है। इस पूर्व आपने शुभारंभ

के समाप्त से इस रोपण ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का जन्मावन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से आज लक 25,00,000 से अधिक बच्चे जन्मावन तुप हैं। यह वर्ष विश्वासीक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अपूर्ण लापार्शीयों वाले प्राचुर्ये में जाना रहा है। यह उपराज्य इसकी व्यापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष जहाँ आपका से पहली बार सबसे अधिक है। माझेहाँ दिवस को ८वीं वर्षांड का मह मध्यारोह, दोहरी गुरुतारोप को तो कर आया है। विश्वासीक एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक दोष को मापांचक महात्म्यपूर्ण आवार्ड-स्कोल अवार्ड जोड़ा है। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को अविस्मर्द, इंशेंड में दिया गया। मुख्य मुद्रमाला, मुख्य चरित्रानन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संसोधित करते हुए कहा था, कि वर्ष एक वर्षा समय होता है। एजुकेट गर्ल्स आज जिस शुक्रम पर खड़ा है, उसमें इसकी दोनों के बालिन चरित्रम एवं दृष्टा की महात्म्यपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को मनवाट देता हूं, विशेषकर आपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका विश्वा के बालिकाएं में अपने बहुमूल रागों एवं भास्तुओं को प्रत्येक बालिका की विश्वा उठाने कामे, एजुकेट गर्ल्स विषय को मुख्य रूप में विश्वासीक बालिका के लिए कार्रवाई करें।



के 1,00,000 बालिकाओं को अलग बरो पंजाब से सुमारीकर लिया है, जिसे आप ने अपनी उक्त बालिकाओं किया है और आप के इस प्रकाश से अपने बाली समय में एक बड़ा बदलाव हो गया। मैं आप सभी से यह शुभावाल करता हूं कि आप एजुकेट गर्ल्स को लोगों का सम्बोध देता जाता रहते एवं आप जो प्रत्येक बालिका की विश्वा उठाने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने

एजुकेट गल्स ने स्थापना दिवस मनाया

जालोर। राजस्थान के जालोर में एजुकेट गल्स एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8 वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'शंकर वाटिका' में समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन सिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया।

स्थापना दिवस पर रंगारंग प्रस्तुतिया



बूदी | एजुकेट गलर्स का आठवां स्थापना दिवस गुरुवार को मनाया गया। कार्यक्रम में विधायक अशोक डोगरा, प्रधान मधु वर्मा अतिथि थे। उड़ान थीम पर समारोह में बूदी व भीलवाड़ा की बालिका सदस्यों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि एजुकेट गलर्स प्रदेश के सात जिलों के 4600 गांवों में अपना काम कर रही है। मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश ने संस्था के उद्देश्य बताए।

एजुकेट गल्स ने मनाया स्थापना दिवस



बूंदी, । एजुकेट गल्स ने आज अपने *८वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों

की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, अधिक अनूठे लाभार्थियों तक एजुकेट गल्स के बूंदी और भीलवाड़ा पहुंचने में सफल रहा है—यह के कर्मचारी एवं टीम बालिका के उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल से किसी भी शैक्षणिक वर्ष को को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को अपेक्षा से पहली बार सबसे ध्यान में रख कर चिंतनपरक अधिक है। स्थापना दिवस की तरीके से डिजाइन किया गया था। ८वीं वर्षगांठ का यह समारोह, एजुकेट गल्स वर्तमान समय में दोहरी खुशियों को ले कर आया राजस्थान के ७ जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत है। ८ वर्ष पूर्व अपने के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक यह अवार्ड एजुकेट गल्स को बालिकाओं का नामांकन किया। ऑक्सफोर्ड, इंग्लैण्ड में दिया गया। एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे अधिकारी, एजुकेट गल्स ने इस

अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, "८ वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। 1,00,000 बालिकाओं को आशा रूपी पंखो से सुसंजित किया है, जिन्हें अभी तक नामांकित किया है।" एजुकेट गल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारण, सामाजिक एवं आर्थिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछ्ठे समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

एजुकेट गल्स ने मनाया स्थापना दिवस

बूंदी, 11 दिसंबर। एजुकेट गल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक ढोगण और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं ग्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का वर्द्धन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियाँ, गोल-स्लो एवं ठनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियाँ शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे

स्थल को इस वर्ष के थीम "डॉन" को हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि ध्यान में रख कर चिंतनप्रक तरीके से एजुकेट गल्स 10,00,000 से अधिक



फिल्माइन किया गया था।

एजुकेट गल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 ज़िलों के 4600 गाँवों में किले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित

अनुष्ठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है—यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है।

स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के

सर्वोधिक महत्वपूर्ण अवार्ड – स्कॉल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गल्स को ऑवरसेट, इंग्लैंड में दिया गया।

सुरेश सुब्रमण्यन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, "8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। 1,00,000 बालिकाओं को आशा रूपी पंखो से सुसज्जित किया है, जिन्हें अभी तक नामांकित किया है।" एजुकेट गल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहार गत, सामाजिक एवं आर्थिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तासुक शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछ्हे समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

एजुकेट गल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

बूंदी के विधायक ने की शिरकत

बूंदी। एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसमें लाईकार्डों की शिक्षा के लिए शीखियक रूप से फिल्ड जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोवा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अक्षोक दोगरा और बूंदी लोक की प्रशासनीयति मधु चर्म सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवधि इस समारोह में बूंदी और भौलवाड़ के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक संराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर लोग उपस्थित हो कर जिसमें सरकारी



अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। अधिकारी, पौ.आर.आई सदस्य, इन्हींने अल्पवयक भौलवाड़ एजुकेट गल्स के बूंदी और सांख्यिक कार्यक्रमों को भी खेत भौलवाड़ के कर्मचारी एवं टीम किया, जिसमें संगीताभ्यास विधायिका के सदस्य शामिल हैं। इस पूरे स्थल को इस अवधि के बीच "ठहरा" को ल्यान में रख कर वितरण कर तरीके से डिजाइन किया गया था।

एजुकेट गल्स वर्तमान समय



में गोवस्यान के 7 जिलों के 4600 दोहरी शुशियों को ले कर आया है गांवों में फैले लगभग 8000 कर्योंके एजुकेट गल्स ने इस वर्ष स्कूलों में कार्यत है। 8 वर्ष पूर्व के प्रारंभ में सामाजिक थ्रेड के अपने शुभार्थ के समय से इस सांख्यिक महत्वपूर्ण अवाई - स्कॉल अवाई को हासिल किया। यह अवाई एजुकेट गल्स को एजुकेट गल्स के कार्य से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे साधानिवार हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, कर्योंके एजुकेट गल्स 10,00,000 से अवधिक अनुदें लाभार्थी तक पहुंचने में सक्षम रहा है-जह एजुकेट गल्स आज जिस मुकाम उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद पर रहता है, वर्षमें इसकी टीम के में किसी भी शीखियक वर्ष जो किंवित परिवेश एवं दृष्टि की अपेक्षा से यहली बार सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर अधिक है। स्थापना दिवस की पर में आप सभी को धन्यवाद 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, देता हूं, विशेषकर अपनी टीम

बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योडावर करने के लिए आप हो बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने उप 1,00,000 बालिकाओं को आशा रापी पंछों से सुसमिल किया है, जिन्हें आप ने अपी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आप खाले समय में एक बढ़ा बढ़ावा आएगा। मैं आप सभी से यह शुभार्थ करता हूं कि आप एजुकेट गल्स को अपना समर्थन देना जारी रखें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गल्स विज्ञ को भूर्त रूप में परिवर्तित करने के लिए कार्य करें।" एजुकेट गल्स वा लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का धन्यवादगत, सामाजिक एवं आर्थिक रूपान्तरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को शुभवत्तायुक शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछ्ठे समुदाय में विवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

एजुकेट गल्स ने टीम बालिकाओं के साथ मनाई 8वीं वर्षगांठ

न्यूज सर्विस/नवजयोति, बूदी।

एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज अलगोजा रिसोर्ट में एक समारोह का आयोजन किया।

विधायक अशोक डोगरा और बूदी प्रधान मधु वर्मा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। बूदी और भीलवाडा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर संकल्प का प्रदर्शन किया। संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत

संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के बूदी और भीलवाडा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम उड़ान को ध्यान में रख कर चिंतनप्रक तरीके से डिजाइन किया गया था।



8वीं वर्षगांठ पर अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेट करते संस्था पदाधिकारी।

एजुकेट गर्ल्स ने मनाई स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ, विधायक ने की शिरकत



बूंदी, 10 दिसम्बर (कांस.)। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोज़ा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक अशोक ठोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में पार्निल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष

दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनप्रक

तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत हैं। 8 वर्ष पूर्व अपने शृंभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है—यह उपलब्ध इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है।



एजुकेट गल्स में रंगारंग प्रस्तुति

बूंदी

एजुकेट गल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक स्म से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने गुरुवार को शहर के अलगोजा रिसोट में 8वें स्थापना दिवस पर समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में विधायक ओक डोगरा व बूंदी प्रधान मधु वर्मा सहित कई लोग शामिल हुए। समारोह में बूंदी और भीलवाडा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों



की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। कार्यक्रम में इस वर्ष के थीम “उड़न को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह एजुकेट गल्स को

ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया। कार्यक्रम अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यन ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, “8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

एजुकेट गल्स ने मनाया स्थापना दिवस



बूंदी, 11 दिसंबर। एजुकेट गल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक अशोक ढोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमती मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक

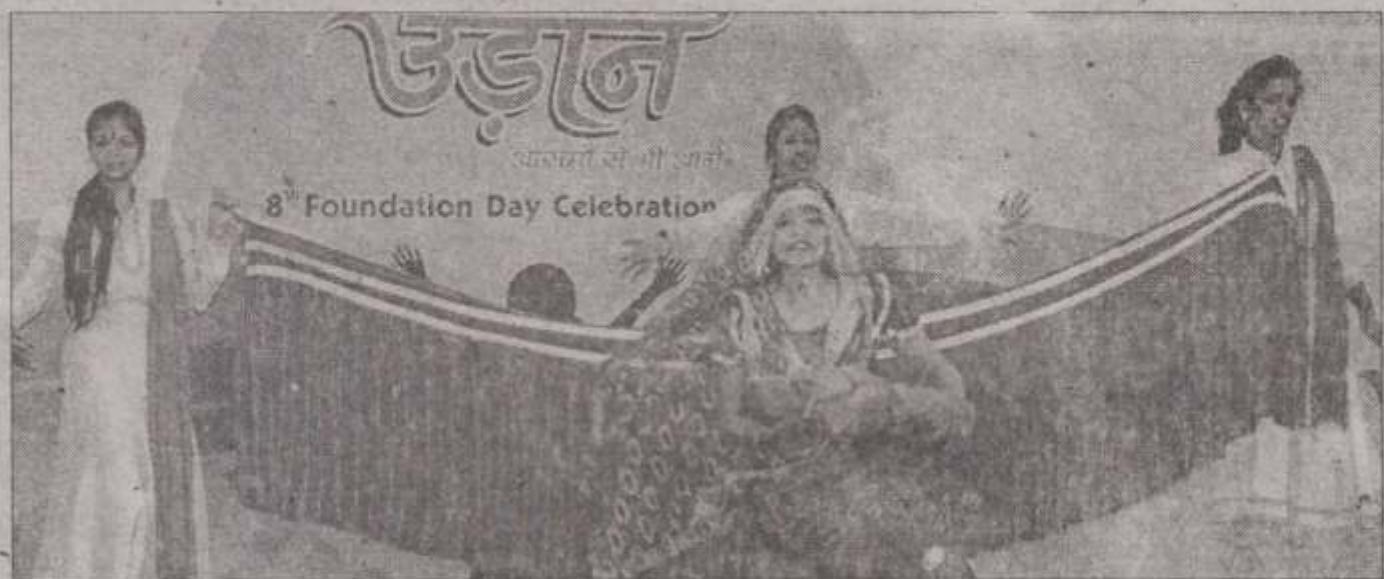
मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी,

पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

आत्महत्या करने वाले छात्र-छात्राओं की शाति के लिए हृष्ण किया



एजुकेट गल्स ने मनाया स्थापना दिवस



बूंदी, 11 दिसंबर। एजुकेट गल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमती मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में पामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक

मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी,

पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

आत्महत्या करने वाले छात्र-छात्राओं की शाति के लिए हृष्ण किया



एजुकेट गल्स ने मनाया स्थापना दिवस

बूंदी, 12 दिसंबर। एजुकेट जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, गल्स ने आज अपने ४वें स्थापना रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत दिवस की वर्षगांठ को मनाने के संघर्ष और उपलब्धियों की लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल एक विशाल समारोह का थीं। इस अवसर पर कुल 1300



आयोजन किया। बूंदी के लोग उपस्थित थे; जिसमें विधायक अशोक डोगरा और सरकारी बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट मधु वर्मा सहित कई अधिकारी गल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कर्मचारी एवं टीम बालिका के इस वर्ष इस समारोह में बूंदी सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल और भीलवाड़ा के 1050 टीम को इस वर्ष के थीम "उड़ान" बालिका सदस्यों ने इस विशेष को ध्यान में रख कर चिंतनपरक दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं तरीके से डिजाइन किया गया प्रोत्साहन के लिए एक साथ था।

उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक गाँवों में फैले लगभग 8000 कार्यक्रमों को भी पेश किया, स्कूलों में कार्यरत है। ८ वर्ष पूर्व

नगर निगम ने निराश्रित लोगों के रात्रि विश्राम

के लिए शहर में 10 रैन बसरे प्रारम्भ किये

कोटा, 12 दिसम्बर। नगर निगम द्वारासदी से बचाव हेतु शहर में रह रहे निराश्रित लोगों के रात्रि विश्राम के लिए 10 रैन बसरे विभिन्न स्थानों पर प्रारम्भ कर दिये गये हैं। इनमें 7 स्थाई व 3 अस्थाई रैन बसरे हैं सभी रैन बसरों में रोशनी, पानी, एवं बिस्तर में गहे-रजाई आदि की माकूल व्यवस्था की गई है।

नगर निगम के उपायुक्त अशोक त्यागी ने बताया कि ये रैन बसरेडीसीएम फ्लाई ओवर नया बस स्टेण्ड के पास, जे.के. लोन अस्पताल के प्रांगण में, एम.बी.एस. हॉस्पीटल के प्रांगण में, नयापुरा बस स्टेण्ड पर, रामपुरा हिन्दु धर्मशाला में, हिरण बाजार चन्द्रघटा स्थितड़ों, जाकिर हुसैन सामुदायिक भवन में, किशोरपुरां में तुलसी माता मन्दिर के पास, भीमगंज मण्डी के सेक्टर कार्यालय में, मृगजपोल में राष्ट्रद्रुत कार्यालय के सामने स्थित सेक्टर कार्यालय में तथा कोटड़ी में नाग-नागिन मन्दिर के पास लगाये गये हैं। कोई भी निराश्रित व्यक्ति इन रैन बसरों में रात्रि विश्राम कर सकता है।

अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है—यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की ४वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कॉल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया। सुरेश सुब्रमण्यन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, "8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।"

1,00,000 बालिकाओं को आशा रूपी पंखो से सुसज्जित किया है, जिन्हें अभी तक नामांकित किया है।"

एजुकेट गल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहार गत, सामाजिक एवं आर्थिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।



एंजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

बूंदी के विधायक ने की शिरकत

बूंदी। एंजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन विद्यार्थी संघिकारों की शिक्षा के हिए और शैक्षणिक रूप से विद्यार्थी विद्यार्थी में सरकार, संस्कृत एवं लोक प्रशासनिक विद्यार्थी के जाति सांस्कृतिक विद्यार्थी की है) ने आज अपने इन्हें स्थापना विद्यार्थी विद्यार्थी को मनाने के लिए आज 'उत्तरांचल रिसोर्ट में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक ली अमृता दोभानी और बूंदी ब्लॉक की प्राचीन लीडरिंग मध्य वर्ष महिले का अधिकारी एवं कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलकाड़ के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर प्राइमरिक संस्कृत एवं प्रोत्साहन के लिए एक ज्ञान उपचारिता हो कर



अपने संकालन का प्रदर्शन किया। अधिकारी, पौ.आर.आई. मादर्दी, एंजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलकाड़ के कर्मचारी एवं टीम बालिकाओं के संगीताध्ययन विद्यार्थी विद्यार्थी के संदर्भ में एक ग्रन्थ "जुकेट" की व्याख्या दी गयी। इस पुस्तक को इस वर्ष के बोर्ड "जुकेट" की व्याख्या में इस कार्यक्रम के लिए विद्यार्थी विद्यार्थी के सामने लाया गया। इस अवसर पर कुल 1300

लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी



में शामिल हैं। इसका क्रमांक 7 विद्यार्थी के 4600 दोहरी जुकेटों को ले कर जाए है नींवों में फेले लगभग 8000 कीमतीक एंजुकेट गर्ल्स में बूंदी और लक्ष्यों में कर्वरत है। 8 वर्ष पूर्व के प्रारंभ में यामालिक लोड के अपने सुधार्मा के समय में इस संशोधिक महालपूर्ण अवधारी संगठन में 100,000 से अधिक स्कॉल अवधारी को हासिल किया। बालिकाओं का इस कार्यक्रम में एंजुकेट गर्ल्स के अपने संस्कृत एवं लोड के अवधारी विद्यार्थी की मूर्ति रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए कार्य करते हुए हैं। यह वर्ष परिचालन अधिकारी, एंजुकेट एवं विद्यार्थी का व्यवहारण, सामाजिक एवं आर्थिक सुपोर्टरण करना है, जहा पर सभी वर्षों को सुखवासापूर्वक शिक्षा प्राप्त करने का समाप्त अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के विद्यार्थी को सम्मुदाय में विकास करने का साथे लगभग 40,000 लोडों तक पहुंचना है।

'एजुकेट गलर्स' ने मनाया स्थापना दिवस



8वें स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देती 'एजुकेट गलर्स'।

कोटा, (कास्ट): एजुकेट गलर्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक ढोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलबाड़ी के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक

सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अन्यथिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संबंध और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पीआरआई सदस्य, एजुकेट गलर्स के बूंदी और

भीलबाड़ी के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे म्याल को इस वर्ष के थीम 'उड़ान' को ध्यान में रख कर चिंतनप्रक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गलर्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गांवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया।

एजुकेट गलर्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गलर्स 10,00,000 से अधिक अनुठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है—यह उपलब्ध इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गलर्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड—स्कॉल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गलर्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैण्ड में दिया गया। मुरेरा सुब्रमण्यन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गलर्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, '8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गलर्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। 1,00,000 बालिकाओं को आशा रूपी पंखों से मुसन्जित किया है।'

प्रस्तुतियों से दिए संदेश

सामाजिक संस्था
एजुकेट गलर्स का

आठवां वार्षिक उत्सव

1050 टीम बालिका
सदस्यों ने भाग लिया

बूंदी @ पत्रिका

patrika.com

शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही सामाजिक संस्था एजुकेट गलर्स का गुरुवार को शहर के नैनवा रोड स्थित एक होटल में आठवां वार्षिक उत्सव आयोजित हुआ। समारोह में टीम बालिका सदस्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और धूषण हत्या पर रोक का संदेश देने वाले नाटक का मंचन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि बूंदी विधायक अशोक डोगरा ने बालिकाओं के नामांकन बढ़ाने में किए सहयोग के लिए संस्था के स्वयं सेवकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बेटियां पढ़ीं तो पूरा परिवार शिक्षित बनेगा। समारोह में बूंदी प्रधान मधु वर्मा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी ऋषिराज शर्मा, शिक्षाविद हमीद उल हक बतौर अतिथि मौजूद थे।



समारोह में बूंदी और मीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने

भाग लिया। आयोजन स्थल को इस वर्ष की थीम 'उड़ान' को ध्यान



बूंदी के नैनवा रोड प्रिवेट एक निवी रिसोर्ट में गलर्स एजुकेट संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विधायक उम्हाइक डोगरा व अन्य तथा कार्यक्रम ने प्रस्तुति देती टीम बालिका सदस्य। (इवंटेट में)

में रखकर चिंतनपूर्ण तरीके से डिजाइन किया गया। समारोह में घोषित गया कि 13 हजार 374 बालिकाएं इस वर्ष स्कूल से जोड़ी गईं। समारोह में संगठन के सीईओ सुरेश सुब्रमण्यम्, जिला प्रबन्धक नवल किशोर सोनी, जिला कार्यक्रम प्रभारी मनोज गौड़ मीजूद थे। संचालन मनीष टांक ने किया।

एजुकेट गल्स ने मनाया स्थापना दिवस

बूंदी, 11 दिसंबर। एजुकेट के लिए एक साथ उपस्थित हो कर गल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक वामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ के 1050 टीम सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक संगठन एवं प्रोत्साहन कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे,



जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के बूंदी और भीलवाड़ के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उद्घान" को ध्यान में रख कर चिंतनप्रक तरीके से डिजाइन किया गया था।

एजुकेट गल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक

बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है—यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है।

स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कॉल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गल्स को ऑक्सफोर्ड, इंलैंड में दिया गया।

संधान

एजुकेट गल्स ने मनाया स्थापना दिवस

बूंदी, 11 दिसंबर। एजुकेट के लिए एक साथ उपस्थित हो कर गल्स ने आज अपने 8वें स्थापना अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान त्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में थामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन



इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे,

जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनप्रकृत तरीके से डिजाइन किया गया था।

एजुकेट गल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत हैं। 8 वर्ष पूर्व अपने जुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक

बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है—यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है।

स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड – स्कॉल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गल्स को ऑफिसफोर्ड, इंलैंड में दिया गया।

संधान

एजुकेट गल्स टीम ने 8वीं वर्षगांठ मनाई

अजमेर|गैर-सरकारी संगठन एजुकेट गल्स के 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए पदमिनी हेरिटेज रिसोर्ट में समारोह आयोजित किया गया। समारोह में 1200 टीम बालिका सदस्यों ने विशेष दिवस पर प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर 1300 लोग मौजूद थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पीआरआई सदस्य, एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। आयोजन स्थल को इस वर्ष की थीम उड़ान को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया। एजुकेट गल्स से राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गांवों में फैले लगभग आठ हजार स्कूल जुड़े हैं। सुरेश सुब्रमण्यन मुख्य परिचालन अधिकारी ने बताया कि 8 वर्ष लंबा समय होता है। एजुकेट गल्स आज जिस मुकाम पर है, उसमें टीम के परिश्रम की महत्वपूर्ण भूमिका है।



स्थापना समारोह में प्रस्तुति देती छात्राएँ

-लक्ष्मी सेनानी

शिक्षा के साथ बच्चों में संरक्षकार भी विकसित करें

एजुकेट गल्स का स्थापना उत्सव

काली नगर ब्लॉकीट, अजमेर

शिक्षा गण्य मंत्री चाहूदेव देवनानी ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के माध्य ही संरक्षकारी का विकास भी आवश्यक है। प्रदेश में शिक्षा के प्रति नई लहर विकसित हुई है। गण्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में गण्य को शिखाएँ पर ले जाने की दिशा में काम कर रही है। इस महत्वपूर्ण कार्य में अमजन के साथ ही गण्य सरकारी संगठनों का भी सक्रिय सहयोग आवश्यक है।

प्रो. देवनानी शुक्रवार को पदमिनी

रिसोर्ट में गैर सरकारी संस्था एजुकेट गल्स के स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गण्यस्थान में शिक्षा के प्रति एक नई लहर पैदा हुई है। गण्य सरकार के प्रकास्ति में प्रदेश में इस साल 9 लाख नए नामांकन हुए हैं। सरकार शिक्षा के उन्नयन के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

प्रो. देवनानी ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में बोहुपरीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने

वाले करोब 43 हजार विद्यार्थियों को 13 दिसम्बर से पूर्व सेप्टेम्बर वितरित किए जाएंगे। प्रदेश में जबकी कक्षा की 5.25 लाख बालिकाओं को बाइनिट वितरित की गई है, जो छात्राएँ 5 किलोग्राम से अधिक दूरी से आती हैं। उनके लिए ट्रांसपोर्ट वाताचर की व्यवस्था की गई है। उन्हें प्रतिदिन 20 रुपए का ट्रांसपोर्ट वाताचर दिया जा रहा है। प्रदेश में शिक्षा विभाग के लिए शिक्षा से जुड़े विभिन्न नवाचार भी किए गए हैं। प्रदेश में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर अब कक्षा एक से 12 तक का पढ़ाई एक ही स्कूल में होगा। देवनानी ने बालिकाओं का आवान किया कि वे पढ़ें, अगे बढ़ें और प्रदेश-प्रदेश और समाज का नाम अगे बढ़ाएं।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में पढ़ाई समीक्षित करने के लिए शिक्षकों को भी समय पर आकर बच्चों को प्रेरित करना होगा। विद्यार्थी भी समय प्रथम प्रयोग से पढ़ाई करें। इस अवसर पर महापर धर्मेन्द्र गहलोत ने कहा कि एक बालिका पढ़ती है, तो उससे दो परिवार शिक्षित होते हैं। अजमेर गांधरता के क्षेत्र में अलगी जिला रहा है। हम बालिका शिक्षा के क्षेत्र में भी नई गिरावल कार्यम करें। हमें साहाय्यक ट्राईकोण रखते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा। पोसागन के प्रधान दिलीप पाचार ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने संस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी, जिसे दस्तकों ने सरहड़ी।





वासुदेव देवनानी ने एन.जी.ओ. एज्युकेट गल्फ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में की शिरकत

बालकों में संस्कार विकसित करें गुरु

अजमेर

जिले के प्रभारी एवं शिक्षा राज मंत्री श्री. वासुदेव देवनानी ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ ही संस्कारों का विकास भी आवश्यक है। प्रदेश में शिक्षा के प्रति नई लहर विकासत हुई है। राज मंत्रकार प्रदेश की शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण एवं ले जाने की 'दस में छात्र बनाने कर रही है। इस महत्वपूर्ण कार्य में अमरजन के साथ ही गेर संस्कारी संगठनों का भी सहकार संरचना आवश्यक है।

शिक्षा राज मंत्री श्री. देवनानी ने शक्तिवाप को हटाड़ो मिथ्या एवं रिसोर्ट में ऐसकासे यथा एज्युकेट गल्फ के स्थापना दिवस समरोह की गाढ़ीपित किया।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में शिक्षा के प्रति एक नई लहर पैदा हुई है। राज मंत्रकार के प्रयासों से प्रदेश में इस माल ५ साल में विकास हुआ है। संस्कार शिक्षा के इन बदल के लिए उत्तरसंभव प्रयत्न कर रहा है।

श्री. देवनानी ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में लोहे परोप्त और मृद्गु प्रदान करने वाले करोड़ ४३ हजार दिवारीयों को १३ टॉन्स्मीटर में पूर्ण लैपटोप वितरित किए जाएंगे। प्रदेश में नवीकरण को ५.२५ लाख बालिकाओं को सहायता दिया जाना चाहिए। जो लकड़ी ५ किलो बेटर से अधिक दूरी से अन्ती है उनके लिए दोसरी बात यह कि व्यवस्था की हड्डी है। उन्हें प्रतिदिन २० लघुए दोसरों द्वारा दिया जा रहा है। प्रदेश में शिक्षा क्रिकाम के लिए शिक्षा में

जुड़े विचिन भवानों भी किए गए हैं। गोदा में शाम पंचायत मध्यवालय पर अब कक्षा एक से १२ तक की पढ़ाई यहाँ की सफल होती है। श्री. देवनानी ने बालिकाओं का अवाहन किया कि वे यह अपने बढ़े और देश प्रदेश और समाज का नाम भरें बहाए। प्रदेश के विद्यार्थियों को अपने शिक्षण वर्ष में भरत के गोरख रहे नायकों का पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन महानों में वहाँ गृहीत करने के लिए शिक्षकों को भी समर पर आकर बच्चों को प्रेरित करना होता। विद्यार्थी भी समय प्रदर्शन का महत्व समझकर पूरे मनोरोग से रहते रहें। श्री. देवनानी ने कहा कि निःशुल्क पुस्तकों, आठवीं शक्ति के विद्यार्थियों को मिड होमेन भी दिया जा रहा है।

एक लाख बालिकाओं ने किया नामांकन

अजमेर। आठ वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह कहना है गैर सरकारी संगठन एजुकेट गल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यन का उन्होंने बताया कि एजुकेट गल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 ज़िलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है—यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। उन्होंने बताया कि एजुकेट गल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है। गौरतलब है कि एजुकेट गल्स ने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'पदमिनी हेरिटेज रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा राज्य



मन्त्री प्रो. वासुदेव देवनानी ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 1200 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-एले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उद्धान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

बच्चों में शिक्षा के साथ ही संस्कार भी विकसित करें शिक्षक- प्रो. देवनानी

प्रभारी मंत्री ने एन.जी.ओ. एज्युकेट गल्फ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में की शिरकत

अबगें, 11 दिसम्बर। जिले के प्रभारी एवं शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. यासुदेव देवनानी ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ ही संस्कारों का विकास भी अत्यधिक है। प्रदेश में शिक्षा के प्रति नई लहर विकसित हुई है। यथ्य सरकार प्रदेश को शिक्षा के लिए ने विकास पर ले जाने की दिशा में कार्य कर रही है। इस महत्वपूर्ण घटायी में अम्बलन के साथ ही गैर संस्कारी संगठनों का भी सशिक्षण सहयोग अत्यधिक है। शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. देवनानी ने अज छट्ठों विकास प्रो. रिपोर्ट में गैर संस्कारी संगठन एज्युकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस मनाने को सम्मोहित किया। उन्होंने कहा कि राजस्वान में शिक्षा के प्रति एक नई लहर पैदा हुई है। यथ्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में इस सत्र 9 लाख नए नामांकन हुए हैं। सरकार शिक्षा के उत्तम के लिए इतनेभय प्रयास कर रही है।

प्रो. देवनानी ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में खोई परिक्षाओं में अल्प अंदरूनी लाने वाले करीब 43 हजार विद्यार्थियों को 13 दिसम्बर से पूर्व ऐप्टीपि वितरित किया जाएंगे। प्रदेश में नवीं कक्ष की 5.25 लाख वालिकाओं को साइकिल वितरित की गई है। जो छात्राएं 5 किलो मीटर से अधिक हुई से जाती हैं उनके लिए ट्रासोरोट वाड्चर द्वारा अवृद्धि की गई है। उन्हें प्रतिदिन 20 रुपए ट्रासोरोट वाड्चर दिया जा रहा है। प्रदेश में शिक्षा विकास के लिए शिक्षा से जुड़े विभिन्न नवाचार भी किए गए हैं। प्रदेश में यात्रा पर्यावरण मुख्यताव पर अब कक्ष एक से 12 तक की पद्धति एक ही स्कूल में



होगी। प्रो. देवनानी ने प्रदेश के विद्यार्थियों को अगले वालिकाओं का अवलोकन किया कि शिक्षण सदृ से भारत के गौरव हो ये पढ़, आगे बढ़े और देश-प्रदेश नवाकों का पाद्यक्रम पढ़ाया और समाज का नाम आगे बढ़ाए।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में पढ़ाई सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को भी समय पर अवकाश बच्चों को प्रोत्तिकरण होगा। विद्यार्थी भी समय प्रबंधन का महत्व समझकर पूरे बोनोयोग से पढ़ाई करें। प्रो. देवनानी ने कहा कि निष्ठाकृ पुस्तकों, अलंकृत तक्क के विद्यार्थियों को भिड़ डे बोल भी दिया जा रहा है।

यथ्य सरकार के इन प्रयासों में अम्बलन एवं गैर संस्कारी संगठन भी सशिक्षण सहयोग करें। हन यह संकल्प लें कि प्रदेश का कोई बच्चा शिक्षा से बचना नहीं रहे। महापौर श्री अमेन्द्र गहलोत ने कहा कि एक वालिका पढ़ती है तो उससे दो परिवार लिखित होते हैं। अबगें साकारता के लिए ने अप्रौढ़ जिला रहा है।

इन वालिका शिक्षा के लिए में भी नई नियमाला बनाया करें। हमें सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए अपने सहय की ओर बढ़ना होगा। योग्यतावान प्रधान जी दिलोप पवार ने भी कार्यक्रम को सम्मोहित किया। इस अवसर पर एज्युकेट गर्ल्स के प्रतिनिधि उपस्थित हैं।



उडान

प्रवासी शही आज

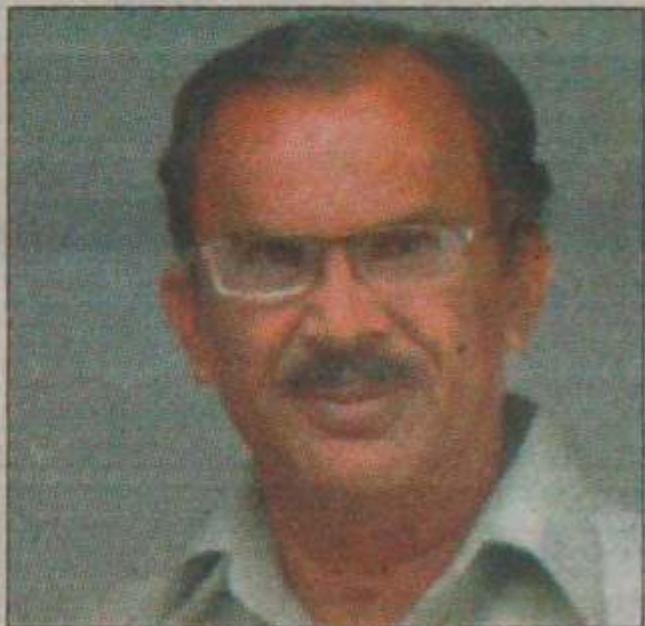
tion Day Celebration - 2015



शिक्षा के साथ संस्कारों का विकास जरूरी : देवनानी

अजमेर (निसं.)

जिले के प्रभारी एवं शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. वासुदेवदेवनानी ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ ही संस्कारोंका विकास भी आवश्यक है। प्रदेश में शिक्षा के प्रति नई लहर विकसित हुई है। राज्य सरकार प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में शिखर पर ले जाने की दिशा में कार्य कर रही है। इस महत्वपूर्ण कार्य में आमजन के साथ ही गैर सरकारी संगठनोंका भी सक्रिय सहयोग आवश्यक है। शिक्षाराज्य मंत्री प्रो. देवनानी ने आज हटूंडी स्थित एक रिसोर्ट में गैर सरकारी संस्था एजूकेट गल्फ के स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में शिक्षा के प्रति एक नई लहर पैदा हुई है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में इस साल 9 लाख नए नामांकन हुए हैं। सरकार शिक्षा के उन्नयन के लिए



हर संभव प्रयास कर रही है। प्रो. देवनानी ने कहा कि विद्यार्थियोंको प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले करीब 43 हजार विद्यार्थियोंको 13 दिसम्बर से पूर्व लैपटॉप वितरित किए जाएंगे। प्रदेश में नवीं कक्षा की 5.25 लाख बालिकाओं को साईकिल वितरित की गई है। जो छात्राएं 5 किलोमीटर से अधिक दूरी से आती हैं उनके लिए ट्रासपोट 'वांउचरकी व्यवस्था' की गई हैं।

राजसमंद : वार्षिक महोत्सव

राजसमंद| एजुकेट गलर्स के आठवें स्थापना दिवस के मौके पर वार्षिक महोत्सव सोमवार को द्वारकेश वाटिका में होगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. विष्णुकांत व कार्यवाहक कलेक्ट्रेट बृजमोहन बैरवा होंगे। महोत्सव के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोल प्ले एवं हृदय स्पर्शी कहानियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। एजुकेट के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमणि की उपस्थिति में 370 बालिका टीम अपने हुनर का प्रदर्शन किया जाएगा।



वर्षांठ पर लिया शिक्षा का संकल्प, प्रस्तुतियों से मोहा

एज्यूकेट गर्ल्स ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

बालिकाओं की ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

दूज लाईस/नवजयोति, राजसमंद

एज्यूकेट गर्ल्स के आठवें स्थापना दिवस के मौके पर वार्षिक महोसूसव उपचार को द्वारकेश वाटिका में अन्वेषित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विषय जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. बन्दुकांत एवं कार्यालयक जिला अधिकारी बृजमोहन बैरवा थे। कार्यक्रम में शहजात संस्था बालिकाओं की ओर से द्वायतम् रवानगतम् मीत पेश की गई। इसके बाद मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया। जिसमें केमरिया बालम्... देश भूमि-रैमिला... जवहर... आदि गीतों का सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर दराकों को मनमोह लिया। इसी प्रकार रोल-मोल एवं उनके व्यक्तिगत स्थंधर्व और जननियों को हृदयमण्डन करनियों में भल थी। संस्थापिका व कार्यकारी संनिवेशिका सभीना हुसैन ने इस अवसर पर कहा कि आज पूरी तरह अधिभूत है कि आठ साल पहले कुछ लोगों के बीच अपने पहले 50 स्कूल पावालट को शुरू किया था। तब वह कलेपना नहीं की कि आज इन्होंने कुलांदियों को स्वर्ण कर पाए। कार्यक्रम में सरकारी अधिकारी, पीआरओई सदस्य, एज्यूकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे महल



राजसमंद। समारोह में उपस्थित जनसमुदाय एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते कलाकार। फोटो-जयेत शर्मा

को इस वर्ष के थीम “उड़ान” को ध्यान में रख कर चित्रन परक तरीके से डिजाइन किया गया था। इस अवसर पर संस्था के कार्यकर्ताओं सहित सैकड़ों दर्शक उपस्थित थे।

एज्यूकेट गर्ल्स के विषय में...

संस्था के सीईओ शुभेश सुविहारणम् ने बताया कि यह एक ऐर-लैभकारी संगठन है, जो भारत के बिहार त्रिपुरा भूमियों असमानता के प्रभुत्व कारण के मुद्दों से निपटता है। संगठन की स्थापना 2007 में की गई। लड़कियों के स्कूल में जागरूका, उनके स्कूल जैव वर्णन और अध्यापन पर ध्यान केन्द्रित करता है। संस्था का लक्ष्य सभी सुविधा से बिहू एवं अधिकारी लड़कियों को युवावास्तुर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। यह तकनीकी के उपयोग जिलों पाली, जालौर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूली और खोलवाड़ में कार्य करता है। संस्था द्वारा 4 हजार 6 सौ जातों में 8 हजार से अधिक लड़कों में उपाय प्रोग्राम किया जाता है। किंगत 8 वर्षीय से सार्वत्र द्वारा एक लाख लड़कियों का लामांकल कराया और इसके कार्यों से 28 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं।



एंजुकेट गल्स ने टीम बालिकाओं ने मनाया आठवां स्थापना दिवस



एंजुकेट गल्स की ओर से द्वारकेश वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विष्णुकूमार का अभिनंदन करते निदेशिका सौफोना हुसेन नव्या संगरंग प्रस्तुति देते कल्पकार।

राजसमंद, 14 दिसंबर।

बालिकाओं की शिक्षा के लिए वैज्ञानिक रूप से पिछड़े जिलों में ज़िक्र, स्थूल एवं लोक प्रजासत्त्वीय बच्चों के साथ साझेदारी करने वाले सरकारी संगठन एंजुकेट गल्स ने राजसमंद ज़िले में आठवां स्थापना दिवस 'द्वारकेश वल्लभ पट्टम वाटिका' में ममतोड़वर्ड का आयोजन किया। इस वर्ष के थीम 'डड़न' का ध्यान में रख कर चिंतनसरक लोक से वाटिका को डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम के प्रमुख अधिकारी पुलिस अधीक्षक विष्णु कूमार और कार्यसाहक नलोद्दर वृजमोहन ज़िक्र ने रहे। गम्भीर में 1100 टीम

बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक समाजना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संबंध और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकृती, पी.आर.आई. सदस्य, एंजुकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे।

एंजुकेट गल्स की कार्यकारी

निदेशिका सौफोना हुसेन ने कहा कि वर्ष 2006-07 की बाट है, जब मैंने आप में से कुछ के साथ अपने फहले 50 स्कूल पायलट को शुरू किया था। हमने कभी यह कल्पना नहीं की थी कि हम इस बुलौदीयों को व्यर्थ कर पाएंगे। एंजुकेट गल्स की इस सफल यात्रा एवं उपलब्धि में यहां पर उपस्थित आप में से ग्रामीण के कठिन परिश्रम, दृढ़ता एवं बेज़िमान समर्थन की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योजावर करने के लिए सभी बड़े आधार बनाकर किया।

एंजुकेट गल्स का लक्ष्य भारत की

सभी बालिकाओं का अवधारणा, सामाजिक एवं आर्थिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को मुण्डवायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचना है। स्थापना दिवस को 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एंजुकेट गल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक शेत्र के सर्वाधिक पहल्वपूर्ण अवार्ड स्कोल अवार्ड को हासिल किया। अह अवार्ड एंजुकेट गल्स के विकास पालीवाला, मुकेश शर्मा, मोनिका टांक सहित अन्य

पदाधिकारी उपस्थित थे। एंजुकेट गल्स के दौरान बालिकाओं ने सामूहिक नृत्य, नाटक और प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। इस अवसर पर ज़िला शिक्षा अधिकारी नाध्यमिक मध्यसूदन ब्यास, ज़िला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक युगल ज़िलारी दाधीच, बीईओ गवर्नर्स अवार्ड शर्मा, बीईओ रेतसारा यहोन्द सिंह शाला, सर्व शिक्षा अभियान के एपीसी शिवकुमार ब्यास, प्रेमसिंह, गुणवत्ता प्रभारी युकेश त्रिवेदी, रमेश चौनगर, ताराचंद, ज़गदीश गुर्जर, एंजुकेट गल्स के विकास पालीवाला, मुकेश शर्मा, मोनिका टांक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्थापना दिवस मनाया

राजसमंद, (अजीत उपाध्याय):
एजुकेट गल्स संगठन जिसने
लड़कियों की शिक्षा के लिए
शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में
सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय
निकायों के साथ साझेदारी की
है, आज अपने ४वें स्थापना दिवस
की वर्षगांठ मनाने के लिए आज
'द्वारकेश कल्याण मंडपम वाटिका'
में एक विशाल समारोह का आयोजन
किया गया। समारोह में राजसमन्द
के एसपी डॉ. विष्णुकान्त और
कार्यवाहक कलेक्टर ब्रज मोहन
बैरवा ने मुख्य अतिथि के रूप में
शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान
ही इस वर्ष भी इस समारोह में ११००
टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष
दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं
प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित
होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन
किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक
सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश
किया। जिसमें संगीतमय
प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके
व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की
हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं।

एज्युकेट गल्स का आठवां स्थापना दिवस आज

राजसमंद। एजुकेट गल्स के आठवें स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक महोत्सव सोमवार को सुबह साढ़े 11 बजे द्वारकेश वाटिका में आयोजित किया जाएगा। एज्युकेट गल्स के मुकेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक विष्णुकांत एवं कार्यवाहक कलेक्टर वृजमोहन बैरवा होंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, रोल प्ले, हृदयस्पर्शी कहानियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी। इस अवसर पर एज्युकेट गल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रह्मण्यम भी उपस्थित रहेंगे।



राजसमंद। एज्युकेट गल्स की ओर से जिला मुख्यालय के द्वारकेश वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विष्णुकांत का अभिनंदन करते निदेशिका सौफीना हुसैन तथा रंगारंग प्रस्तुति देते कलाकार।
फोटो : मुख्यिका

एज्युकेट गल्स ने मनाया आठवां स्थापना दिवस

राजसमंद। लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकों निकायों के साथ साझेदारी करने वाले गैर-सरकारी संगठन एज्युकेट गल्स ने राजसमंद जिले में आठवां स्थापना दिवस 'द्वारकेश कल्याण मंडपम वाटिका' में समारोहपूर्वक मनाया। इस वर्ष के थीम 'उड़ान' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से वाटिका को डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि पुलिस अधीक्षक डा. विष्णु कान्त और कार्यवाहक कलेक्टर बृजमोहन बैरवा रहे। समारोह टीम बालिका के सदस्य शामिल थे।

में 1100 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एज्युकेट गल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे।

एज्युकेट गल्स की कार्यकारी निदेशिका सौफीना हुसैन ने कहा कि वर्ष 2006-07 की ओर जब मैंने आप में से कुछ के साथ अपने पहले 50 स्कूल पाठ्यलंग को शुरू किया था। हमने कभी यह कल्पना नहीं की थी कि हम इस बुलंदियों को स्पर्श कर पाएंगे। एज्युकेट गल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारण, सामाजिक एवं आर्थिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़ें

समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचना है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मधुसूदन व्यास, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक युगल बिहारी दाधीच, बीईओ राजसमंद सत्पदेव शर्मा, बीईओ रेलमगर महेन्द्र सिंह झाला, सर्व शिक्षा अभियान के एपीसी शिवकुमार व्यास, प्रेमसिंह, गुणवत्ता प्रभारी मुकेश त्रिवेदी, रमेश जीनगर, ताराचंद, जगदीश गुर्जर, एज्युकेट गल्स के विकास पालीवाल, मुकेश शर्मा, मोनिका टांक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

‘मां बापू तुम हमें पढ़ाओ...’

■ उड़ान कार्यक्रम ने
उमड़ी छात्राएं

राजसमंद @ पत्रिका. मां बापू तुम हमें पढ़ाओ, स्कूल ले चलो और पुण्य कमाओ..., ओ मां, ओ मां..., जय हो, जय हो, के गीतों पर किशोरियों ने नृत्य कर ऐसा समां बांधा की दर्शक झूम उठे। आयोजन था शहर के द्वारकेश वाटिका में एजुकेट गल्स के 8वें स्थापना दिवस का।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी डा. विष्णुकांत और अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रजमोहन बैरबा थे। वहीं विशिष्ट अतिथि डीईओ (माध्यमिक) मधुसूदन व्यास, डीईओ (प्रारम्भिक) युगल विहारी दाधीच, बीईईओ राजसमंद सत्यदेव शर्मा आदि। कार्यक्रम के दौरान संस्था की 1100 टीम बालिका सदस्यों ने यहां मंच पर गीत, नुवकड़ नाटक, नृत्य व अपने



एज्युकेट गल्स के स्थापना दिवस समारोह में प्रस्तुति देती बलिकाएं।

अनुभवों के माध्यम से लोगों को बालिकाओं को पढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख सफीना हुसैन ने संस्था के 8 वर्षों के क्रिया कलापों की जानकारी दी।

गौरतलब है कि संस्था राजस्थान के सात पिछड़े जिलों में (पाली, जालौर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूंदी और भीलवाड़ा) परिचालन करता है।

आठवां स्थापना दिवस आज

राजसमंद,(निसं)। एजुकेट गल्स के आठवें स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक महोत्सव सोमवार 14 दिसम्बर को सुबह साढे 11 बजे द्वारकेश वाटिका में आयोजित किया जाएगा। एज्युकेट गल्स के मुकेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक विष्णुकांत एवं कार्यवाहक कलेक्टर बृजमोहन - बैरवा होंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, रोल प्ले, हृदयस्पर्शी कहानियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस अवसर पर एज्युकेट गल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रह्मण्यम भी उपस्थित रहेंगे।

बालिकाओं ने सामूहिक नृत्य व नाटक की प्रस्तुतियां देकर बांधा समां

राजसमंदर, (लिंग)। लाइकिमों की शिक्षा के लिए सैक्षणिक रूप से प्रियंका जिले में सरकार, स्कूल प्रबन्ध लोकोप्रभावात्मक निकायों के साथ साझेदारी करने वाले गैर-सरकारी संगठनों पर आधारित प्रयोगशाला निर्माण करने वाले जिले में अतिव्याप्ति गर्ने दिवस राजसमंदर जिले में बंधुपम खाटिका में मनाया गया।

इस वर्ष के गोम 'उदाम' को लेखन
ने रखकर चित्रपत्रक नीतीक से प्रटिक्रिया
को दिखाइन किया गया था। काव्यक्रम के
प्रमुख अल्पित्य पुस्तिस अधीक्षक डॉ. विष्णु
कान्त और काव्याचारक कल्पना-
वृक्षमोहन देरवा ने मणि समाज में
1100 ट्रॉम बालिका सदस्यों ने इस
विशेष दिवस पर पारस्पारिक समाज एवं
प्रोत्साहन के लिए एक सच्च उत्सविक संभावना

हाइकम अपने मंकाला का प्रदर्शन करता है।
इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक
कार्यक्रमों को ऐसे देखा कि वह किसी भी

संगीतमध्ये प्रस्तुतियां, रोल-प्लै एवं डनफे व्यक्तिगत संरचना और उपस्थितियों की छापामर्ही कलानिया सामिल थी। वही

काश्मीर के दौरान चलिकाओं ने सामूहिक गुल्म, नाटक भी प्रस्तुति देकर समा बोच दिया। इस अवसर पर कुल 1300 सांग उपस्थित थे। जिसने



राजसभेद में एज्युकेट गल्सी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वालिकाओं ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी।

स्टरकारी अधिकारी, पोड़ावर अ-
प्रजुकेट गल्लरी के कर्मचारी
बालिका के सदृश्य शान्तिल

एथ्युकेट गल्फ का
निदेशिका सफोना ब्रूसेन ने कहा
2006-07 की खात है, जब
मैं से कुछ के साथ अपने पहले

सदस्य एथलट को शुरू किया था। हमने कभी तो यह कल्पना नहीं की थी कि हम इस में बलादियों को संपादित कर पाएंगे। एवकेट

गर्वन को इस सफल आत्रे एवं उत्तराधिक
में बहाने पर उपर्युक्त आप में से प्रयोग
के कठिन परिश्रम, दृढ़ता एवं चेतिक
समर्थन की बहुत इद्दी भूमिका है।

उन्होंने बालिका शिक्षा के सभी कारणों में बहुमूल्य समय पर व्यापक की अवधिकार करने के लिए चर्चा की। अभी इन्हें कट गल्स को अवृत्ति कर्ता, इन्हें भी दिया गया। इस अवक्षर पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक नियन्त्रित व्यास,

वक्त बिला। एजुकेट गल्स का लक्ष्य राजत की सभी बालिकाओं का दबकाव हारण, सामाजिक परंपरा अधिक दृढ़तर बनाना है, जहां पर सभी बच्चों विला जिसे अधिकारीयुग्म बिहारी दासीय, बड़ईओ राजसमंद सत्त्वदेव शर्पा, सबै शिक्षा अभियान के एप्रीमी शिवकुमार व्यास आदि मौजूद थे।